'वॉर 2' में कियारा पर फिल्माया गया गाना!

बॉलीवुड निर्देशक अयान मुखर्जी अपनी ब्लॉकबस्टर केसरिया म्यूज़िक टीम को वॉर 2 में ऋतिक रोशन और कियारा आडवाणी पर फिल्माए गए गाने के लिए फिर से एकजुट कर रहे हैं.

अयान, प्रीतम, अरिजीत सिंह और अमिताभ भट्टाचार्य एक बार फिर साथ आ रहे हैं और इंटरनेट पर फैंस इसे लेकर बेहद उत्साहित हैं.जब प्रोड्यूसर्स यशराज फिल्म्स से इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने इस जानकारी की पुष्टि की, हालांकि लॉन्च की तारीख बताने से इनकार किया.

एक सूत्र के अनुसार, यह एक खूबसूरत ट्रैक है जो वॉर 2 में ऋतिक और कियारा के किरदारों के बीच के रोमांस को दर्शाता है. यह गाना इसी सप्ताह रिलीज़ होगा और वॉर 2 का पहला गाना होगा जिसे दर्शकों के लिए जारी किया जाएगा.

वॉर 2, यह एक भव्य एक्शन थियेट्रिकल फिल्म है जो 14 अगस्त को हिंदी, तेलुगु और तमिल में दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज़ होने जा रही है. वॉर 2 में ऋतिक रोशन, एनटीआर जूनियर और कियारा आडवाणी की अहम भूमिका है.

फिल्म द राजासाहब से संजय का लुक रिलीज

बॉलीवुड स्टार संजय दत्त के जन्मदिन के अवसर पर आज उनकी आने वाली फिल्म द राजासाहब से उनका लुक रिलीज किया गया है. मारुति के निर्देशन में बन रही फिल्म द राजा साहब में प्रभास,संजय दत्त,मालविका मोहनन, निधि अग्रवाल और रिधि कुमार नजर आएंगी.

संजय दत्त के जन्मदिन के अवसर पर आज फिल्म द राजासाहब से उनका लुक रिलीज कर दिया गया है. इस रहस्यमय पोस्टर में संजय दत्त एक कभी न देखे गए अवतार में नज़र आ रहे हैं.उनके लंबे चांदी जैसे बाल, खुरदूरी दाढ़ी और काली चोगा उन्हें एक शाही और डरावना रूप देते हैं.

यह नया पोस्टर साफ़ इशारा करता है कि संजय दत्त का किरदार बेहद ताक़तवर, गहराई वाला और कहानी में एक बड़ा मोड़ लाने वाला होगा. फिल्म 'द राजा साब' को विश्व प्रसाद ने पीपल मीडिया फैक्ट्री के बैनर तले प्रोड्यूस किया है. फिल्म का संगीत थमन एस ने तैयार किया है. 'द राजा साहब' 05 दिसंबर को हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज होगी.

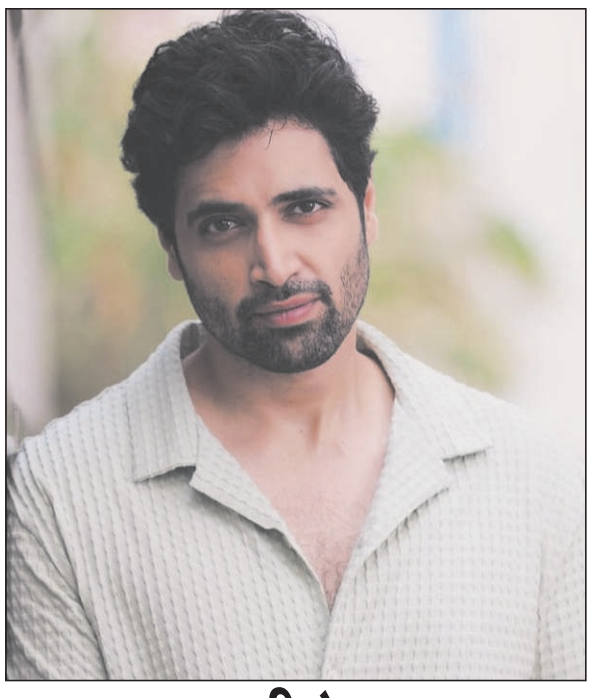

इमरान हाशमी के साथ काम करना सपने जैसा : अदिवी सेष

जानेमाने अभिनेता अदिवी सेष का कहना है कि इमरान हाशमी के साथ काम करना उनके लिये सपने के सच होने जैसा है.

अदिवी सेष ने बॉलीवुड स्टार इमरान हाशमी के साथ एक्शन स्पाई थ्रिलर गोदाचरी 2 में काम किया है. यह फिल्म गोदाचरी की ब्लॉकबस्टर सक्सेस के बाद बनी सीक्वल है और इसमें ज़बरदस्त कहानी, थ्रिलिंग एक्शन और दमदार स्टारकास्ट देखने को मिलेगा.

अदिवी सेष ने बताया कि इमरान हाशमी के साथ काम करना उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है. उन्होंने अपनी खुशी ज़ाहिर करते हुए कहा, मैं वाकई बहुत खुश हूं कि इमरान हाशमी 'गोदाचरी 2' का हिस्सा हैं. मैं सालों से उनके काम का फैन रहा हूं.मुझे याद है कैसे मैं थिएटर में जाकर उनकी फिल्मों को देखकर मंत्रमुग्ध हो जाता था. आज उनके साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए बहुत खास है. ऐसा लगता है जैसे जिंदगी ने एक पूरा चक्र पूरा किया हो. वह अपने किरदारों में जो गहराई और चार्म लाते हैं, वह फिल्म को एक अलग ही लेवल पर ले जाएगा. यह सिर्फ एक साथ काम करना नहीं है.यह एक फैन का सपना पूरा होना है. मुझे आज भी उनके गानों पर डांस करना याद है जो पार्टी एंथम बन चुके हैं और आज भी बजते हैं.

आप की नजरो ने समझा प्यार के काबिल मुझे

भारतीय सिनेमा जगत में राजा मेहदी अली खान का नाम एक ऐसे गीतकार के रूप में याद किया जाता है जिन्होंने प्रेम. विरह और देश प्रेम की भावना से ओतप्रोत अपने गीतों से लगभग चार दशक तक श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया.

राजा मेहदी अली खान ने अपने गीतों मे ..आप.. शब्द का इस्तेमाल बहुत हीं खूबसूरती से किया है. इन गीतों मे आप यूंही हमसे मिलते रहे देखिये एक दिन प्यार हो जायेगा,आपके पहलू में आकर रो दिये,आपकी नजरों ने समझा प्यार के काबिल मुझे,आपको राज छुपाने की बुरी आदत है जैसे कई सुपरहिट गीत शामिल है.

करमाबाद शहर में एक जमीन्दार परिवार में जन्में राजा मेंहदी अली खान चालीस के दशक में आकाशवाणी दिल्ली में काम करते थे.आकाशवाणी की नौकरी छोड़ने के बाद वह मुंबई आये और यहां अपने मित्र के प्रयास से उन्हें अशोक कुमार की फिल्म ..एट डेज .. में डायलग लिखने का काम मिल गया .

वर्ष 1945 में राजा मेंहदी अली खान की मुलाकात फिल्मिस्तान स्टूडियो के मालिक एस.मुखर्जी से हुयी.एस.मुखर्जी ने उनसे फिल्म ..दो भाई .. के लिये गीत लिखने की पेशकश की. फिल्म दो भाई में अपने

रचित गीत ..मेरा सुंदर सपना बीत गया.. की कामयाबी के बाद बतौर गीतकार राजा मेहन्दी अली खान फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने मे सफल हो गये .

250 करोड़ के क्लब में शामिल हुयी सैयारा

यशराज फिल्मस (वाईआरएफ) के बैनर तले बनी फिल्म 'सैयारा' ने भारतीय बाजार में 250 करोड़ रूपये से अधिक की कमाई कर ली है.

मोहित सूरी के निर्देशन में बनी और वाईआरएफ के सीईओ अक्षय विधानी निर्मित सैयारा,18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज़ हुयी है.इस फिल्म में अहान पांडे और अनीत पड्डा की मुख्य भूमिका है. अहान और अनीता की रोमांटिक केमिस्ट्री को दर्शक बेहद पसंद कर रहे हैं. 'सैयारा' लगातार बॉक्स ऑफिस पर कमाई के नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है.

ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म %सैयारा % ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार ओपनिंग की थी. इसने पहले दिन 21.5 करोड़ के साथ

खाता खोला था. इसके बाद से फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जोरदार कमाई कर रही है. पहले सप्ताह में सैयारा ने भारतीय बाजार में 172. 75करोड़ की कमाई की थी.वहीं, आठवें दिन 18 करोड़,नवें दिन 26.5 करोड़, दसवें दिन फिल्म ने 30 करोड़ रूपये की कमाई की है. अब 11वें दिन का कलेक्शन भी सामने आ गया है. सैकनिल्क की अर्ली रिपोर्ट के अनुसार फिल्म सितारे सैयारा ने 11वें दिन 9.5 करोड़ रूपये की कमाई की है. इस तरह फिल्म सैयारा भारतीय बाजार में 256 करोड़ रूपये से अधिक की कमाई कर चुकी है.

कलाकारों ने कहा जिंदगी का अहम हिस्सा एआई

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) अब सिर्फ टेक्नोलॉजी एवं इनोवेशन की दुनिया तक सीमित नहीं है, यह हमारी रोज़मर्रा की ज़िंदगी का अहम हिस्सा बन रही है. टीवी कलाकारों के लिए, जो अपने बिजी शेड्यूल, सोशल मीडिया और निजी ज़िम्मेदारियों के कारण बहुत व्यस्त होते हैं, उनके लिए एआई एक मददगार की तरह काम कर रहा है.

एण्डटीवी के कलाकार बता रहे हैं कि वे कैसे एआई का इस्तेमाल छोटे-छोटे लेकिन असरदार तरीकों से करते हैं, इसमें रोज़ाना के काम की योजना बनाना, कपड़ों के स्टाइल चुनना, सेहत का ध्यान रखना और सोशल मीडिया के लिए कंटेंट तैयार करना आदि जैसे काम शामिल हैं. ये कलाकार हैं- गीतांजलि मिश्रा (राजेश, 'हप्पू की उलटन पलटन') और शुभांगी अत्रे (अंगूरी भाबी, 'भाबीजी घर पर हैं'). गीतांजलि मिश्रा, जो 'हप्पू की उलटन पलटन' में राजेश का किरदार निभा रही हैं, कहती हैं,

मैं बहुत टेक सेवी नहीं हूँ, लेकिन मैंने धीरे-धीरे एआई को अपनी जिंदगी में शामिल किया है.शुभांगी अत्रे, जो 'भाबीजी घर पर हैं' में अंगूरी भाबी का किरदार अदा कर रही हैं, ने बताया, आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में एआई एक पर्सनल असिस्टेंट की तरह है. मैं इसका इस्तेमाल सफर की योजना बनाने, इवेंट्स के लिए कपड़े चुनने और घर सजाने के सुझाव लेने के लिए करती हूँ. कभी-कभी यह मेरे पास मौजूद सामग्री से हेल्दी रेसिपी ढूंढने में भी मदद करता है.

जियोहॉटस्टार ने रिलीज़ किया सलाकार का ट्रेलर

जियोहॉटस्टार ने आज अपनी बहुप्रतीक्षित स्पाई थ्रिलर सलाकार का ट्रेलर रिलीज कर दिया है.

'सलाकार' की कहानी 1978 और 2025 दो अलग-अलग समयों में चलती है.ट्रेलर में अधीर की जिंदगी की झलक मिलती है ,वह जासूस जिसने कभी पाकिस्तान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को रोक दिया था. अब, वर्षों बाद जब वह देश का राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बन चुका है, तो वही बीता हुआ मिशन एक बार फिर उसका पीछा कर रहा है. पुराने दुश्मन लौट आए हैं, वक्त तेज़ी से निकल रहा है, और देश की सुरक्षा एक बार फिर अधीर के फ़ैसलों पर निर्भर है.

इस श्रृंखला में नवीन कस्तूरिया, मौनी रॉय, मुकेश ऋषि, पूर्णेंदु भट्टाचार्य, अश्वथ भट्ट और सूर्या शर्मा जैसे बेहतरीन कलाकार नज़र आएंगे.

निर्देशक फारूक कबीर ने कहा, मैं हमेशा मानता आया हूं कि सच्चाई अक्सर कल्पना से भी ज़्यादा चौंकाने वाली होती है और खुफिया दुनिया इसकी सबसे बड़ी मिसाल है. सलाकार सिर्फ एक सच्ची कहानी पर आधारित थ्रिलर नहीं है, बल्कि यह भावनाओं, आदर्शों और रिश्तों के उस जाल को भी दिखाती है जो इस दुनिया के भीतर बसते हैं. जियोहॉटस्टार और इतने बेहतरीन कलाकारों के साथ मिलकर मुझे एक ऐसा सिनेमाई संसार गढ़ने का मौका मिला है जो रोमांच से भरपूर, सच्चा और प्रभावशाली है. अभिनेत्री मौनी रॉय ने कहा, ''यह मेरी अब तक की सबसे भावनात्मक भूमिकाओं में से एक है. मेरा

किरदार सिर्फ बहादुर ही नहीं, बल्कि जटिल, द्वंद्वों से घिरा और बेहद मज़बूत है. वह एक हाई-रिस्क ज़ोन में काम करती है, लेकिन हर निर्णय के साथ वह अपने अतीत की पीड़ा और निजी अनुभव भी ढोती है.

ट्रेलर महज़ इस गहरी कहानी की एक झलक भर है. मुझे गर्व है कि मैं ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनी, जो सतह को नहीं, बल्कि गहराई को छूने का साहस रखता है. अब बेसब्री से इंतज़ार है 'सलाकार' की रिलीज़ का,वो भी जियोहॉटस्टार पर.

कृषि जगत

किसानों की परेशानी बढ़ा सकता है पीला मोजेक रोग

देश के कई हिस्सों में किसानों ने खरीफ फसलों की बुवाई का काम जून में ही पूरा कर लिया था. इस लिहाज से ज्यादातर फसलों में अच्छी बढ़वार हो चुकी है. लेकिन लगातार हो रहे मौसम में बदलाव से ज्यादातर दलहनी फसलों में पीला मोजेक रोग का खतरा मंडरा रहा है. दरअसल, लगातार बारिश होने पर इस बीमारी का खतरा नहीं बढ़ता है, लेकिन 3-4 दिनों के अंतराल पर हो रही बारिश होने के कारण पीला मोजेक रोग उड़द और मूंग की फसलों पर काफी तेजी से बढ़ रहा है, जो सफेद मक्खी जैसे कीटों से फैलता है.

क्या हैं पीला मोजेक रोग के लक्षण?- पीला मोजेक रोग का प्रसार रोग ग्रस्त बीज से होता है. यह रोग खरीफ की फसल में मुख्यत: उड़द और मूंग में ज्यादा देखा जाता है. यह रोग फसल की बढ़वार को रोककर उपज की क्वालिटी खराब करता है. पीला मोजेक रोग लगने पर फसल की पत्तियां पीली पड़ जाती हैं. इसके प्रकोप के कारण पत्तियां खुरदरी हो जाती हैं और उन पर सिलवटें पड़ने लगती हैं.

ये है नियंत्रण का सबसे आसान जुगाड़-पीला मोजेक रोग अगर किसी पौधे को लग जाए तो जब तक उस पौधे को नष्ट नहीं किया जाता तब तक यह बीमारी पूरी तरह से खत्म नहीं होती है. ऐसे में अगर किसानों को अपने उड़द और मूंग की फसल में पत्तों पर पीलापन दिख रहा है तो ऐसे पौधों को उखाड़ कर नष्ट कर दें और जमीन में गड्ढा खोदकर दबा दें.

अमरूद बाग को सुखा देता है ये रोग

अमरूद भारत के लगभग सभी राज्यों में उगाई जाने वाली एक महत्वपूर्ण फल फसल है. इसकी व्यापक उपलब्धता और पोषण गुणों के कारण यह काफी पसंद की जाती है. हालांकि, अमरूद में उकठा रोग एक बेहद खतरनाक और विनाशकारी रोग है. जब यह रोग सूत्रकृमियों की उपस्थिति के साथ जुड़ जाता है, तो यह फसल को और भी गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है. इस परिस्थिति में, रोग के कारक जीव की सही पहचान और सटीक निदान बेहद ज़रूरी हो जाता है. यह रोग मिट्टी जनित होता है, अत: इसके नियंत्रण में कई चुनौतियां आती हैं. यह रोग भारत के विभिन्न हिस्सों में तेज़ी से फैल रहा है. अमरूद में उकठा रोग का प्रभाव केवल पौधे की वृद्धि और उत्पादन पर ही नहीं पड़ता, बल्कि यह रोग पूरे बाग को समाप्त करने की क्षमता रखता है. इस रोग की समय पर पहचान और एकीकृत प्रबंधन ही आपके बाग को इस विनाशकारी रोग से बचा सकता है.

बागों पर अगस्त में मंडराता है बड़ा खतरा- यह रोग ख़ास तौर पर अगस्त से अक्टूबर के महीनों में ज़्यादा फैलता है. यह रोग अक्सर पत्तियों के पीले पड़ने और मुरझाने से शुरू होता है, जिसके बाद शाखाएं सूखने लगती हैं. गंभीर मामलों में, पूरा पौधा अपेक्षाकृत कम समय में, कभी-कभी कुछ हफ्तों में, पत्तियों से रहित होकर मर सकता है. हालांकि कुछ पेड़ों को पूरी तरह से सूखने में एक साल भी लग सकता है. यह रोग युवा पेड़ों या पौधों की तुलना में पुराने पेड़ों में ज़्यादा गंभीर होता है. अमरूद का उकठा रोग उत्पादन में भारी कमी ला सकता है. कुछ रिपोर्टों के अनुसार, इस रोग के कारण उपज में 30 फीसदी तक का नुकसान हो सकता है. गंभीर मामलों में, यह रोग पेड़ की पूरी तरह से मौत का कारण बन सकता है.

जानिए रोकथाम के कारगर उपाय

उकठा रोग के रोकथाम के लिए खेत की मिट्टी में जिप्सम का प्रयोग 500-1000 किग्रा/हेक्टेयर देने से मिट्टी में मौजूद रोगजनकों की सक्रियता कम होती है. जैविक खाद जैसे गोबर की खाद, कम्पोस्ट और संतुलित उर्वरक हक्क्य का उपयोग मिट्टी की गुणवत्ता सुधारता है और पौधों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है.

खरीदते वक्त मुर्रा भैंस की पहचान कैसे करें

मुर्रा भैंस देश में सबसे ज्यादा पाली जाने वाली नस्ल है. दूध भी ज्यादा देती है. और क्वालिटी के मामले में भी मुर्रा भैंस का दूध अच्छा माना जाता है. विदेशों तक में मुर्रा का दूध एक्सपोर्ट किया जाता है. ज्यादातर राज्यों की सरकारी स्कीम में भी मुर्रा भैंस शामिल है. खरीदने के दौरान कई अलग-अलग पॉइंट पर मुर्रा नस्ल की पहचान की जा सकती है. इसमे सबसे खास शारीरिक बनावट की पहचान है.

मुर्रा भैंस कितना दूध देती है?

मुर्रा भैंस का होम टाउन रोहतक, हिसार, झज्जर, जींद, गुड़गांव, फतेहबाद, हरियाणा और दिल्ली है. मुर्रा नस्ल की भैंस चीन, श्रीलंका, मलेशिया, बांग्लादेश, बुल्गारिया, थाईलैंड, नेपाल, इंडोनेशिया, ब्राजील, म्यांमार, वियतनाम में भी पाली जाती हैं. सामान्य मुर्रा भैंस 80 हजार रुपये से लेकर एक लाख रुपये तक में मिल जाती है. मुर्रा भैंस पहला बच्चा देने के बाद हर रोज 12 से 15 लीटर दूध देती है. मुर्रा भैंस के लिए कच्चे फर्श और पक्की दीवारों वाला हवादार शेड होना चाहिए.

मुर्रा भैंस को क्या खिलाना चाहिए - मुर्रा भैंसों को बरसीम, जई, सरसों, बाजारा, ज्वार और क्लस्टर बीन खिलाए जाते हैं. खली, दलिया और गेहूं-दाल का भूसा भी खिलाया जाता है.

मुर्रा भैंस खरीदने से पहले कैसे करें पहचान?- मुर्रा भैंस गहरे काले रंग की होती है. सींग छोटा, पीछे और ऊपर की ओर मुड़ता हुआ होता है. सींग चपटे होते हैं. भैंस की आंखे काली और उभरी हुई होती हैं. जबकि भैंसे की आंखे थोड़ी सिकुड़ी हुई होती हैं. पूंछ की लम्बाई 6 इंच तक होती है. मुर्रा भैंस का शरीर भारी और पच्चर के आकार का होता है. गर्दन पतली और लम्बी होती है, जबकि भैंसे की गर्दन मोटी और भारी होती है. मुर्रा भैंस के कान अलर्ट रहने वाले छोटे और पतले होते हैं. मुर्रा भैंस की लम्बाई 148 सेमी और भैंसे की 150 सेमी होती है. मुर्रा भैंस की ऊंचाई 133 सेमी और भैंसे की 142 सेमी होती है. जन्म के वक्त मादा का वजन 30 किलो और नर का वजन 31.7 किलो तक होता है.

सहजन के पौधों के लिए खतरनाक है ये कीट

सहजन, मोरिंगा या ड्रमस्टिक एक फायदेमंद फसल है और इसके कई औषधीय गुण हैं. इसकी खेती किसानों को कम लागत में अच्छा फायदा दे सकती है. सहजन की खेती किसानों के लिए बेहद फायदेमंद रही है. इसके लिए अतिरिक्त जगह की जरूरत भी नहीं होती है. वहीं, किसी भी फसल की बुवाई के साथ खेतों में इसे आसानी से लगाया जा सकता है. लेकिन सहजन के पेड़ में कीड़े लगने का खतरा सबसे अधिक होता है. ऐसे में किसानों को इसके पौधे लगाने के बाद विशेष देखरेख करनी पड़ती है,

सहजन में भूआ कीट का खतरा- सहजन के पेड़ों में आमतौर पर भूआ कीट लगने का खतरा सबसे अधिक होता है, जो फसल को पूरी तरह बर्बाद कर देता है. यह कीट पूरे पौधे की पत्तियों को खा जाता है और आसपास भी फैल जाता है. सहजन को इस से बचाने के लिए कई तरह की दवाएं उपयोग की जाती हैं, लेकिन कुछ घरेलू तरीकों के इस्तेमाल से भी इन कीटों पर नियंत्रण किया जा सकता है. दरअसल, सहजन में फूल आने से पहले इस कीट का खतरा सबसे अधिक बढ़ जाता है. यह कीट काफी खतरनाक होते हैं. यदि शरीर के किसी भाग को छू जाएं तो खुजली होने लगती है और घाव भी हो सकता है.

बचाव का देसी और सस्ता उपाय-

बता दें कि सहजन में लगे भूआ कीट आसपास लगे सब्जियों और फसल को भी प्रभावित कर सकते हैं. इससे किसानों की परेशानी बढ़ जाती है. ऐसे में बचाव के लिए किसान देसी उपाय कि तो भूआ कीट पर कपड़ा धोने वाला सर्फ का घोल छिड़क कर उन्हें मारा जा सकता है. यह उपाय किसानों के लिए कम खर्चीला और आसान भी है. इसके अलावा फूल आने से पहले पेड़ों की चुने से पुताई करने से भी इस कीट से बचा जा सकता है.

सहजन के पौधों के लिए खतरनाक है ये कीट

किसान ऐसे करें सहजन की खेती

मोरिंगा लगाने के लिए गर्मी और बरसात का मौसम सही होता है. जैसे बारिश का मौसम चल रहा है. ऐसे में मोरिंगा की खेती में पानी की बहुत जरूरत नहीं होती है और रखरखाव भी कम करना पड़ता है. इसके पौधे लगाने से पहले खेत की अच्छे से जुताई कर खरपतवार नष्ट कर दें. फिर 2.5 × 2.5 मीटर की दूरी पर 45 × 45 × 45 सेमी. तक गहरे गड्ढे तैयार कर लें. गड्ढों को भरने के लिए मिट्टी के साथ 10 किलो सड़ी हुई गोबर की खाद का मिश्रण तैयार कर लें. उसके बाद पौधे को लगाएं.